District: Jehanabad

In

The Court of District & Additional Sessions Judge-II, Jehanabad

Present:-
Sanjay Kumar Sinha-II
Dist & Addl. Sessions Judge-II,
Jehanabad

Sessions Trial No- 42 of 2025

CIS Registration No- 42/2025

Kako PS Case No. 235/2024

Jehanabad; dated the 16th day of April, 2026

(1) State through Shambhu Lathore, aged about 30 years, S/o Sajan Lathore, R/o Vill-Beladih, PS Belaganj, Dist. Gaya ....**Prosecution**

Vs

(1) Bablu Lathore, aged about 25 years, S/o Naresh Lathaur, R/o Vill-Chakand Mirabigha, PS Chakand, Dist. Gaya,

..........................**Accused**

16.04.2026

जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय जहानाबाद

(This case was committed to the court of sessions vide order dated 24.01.2025 passed by the court of SDJM, Jehanabad arising out of Kako PS Case No. 235 of 2024, Gr. No. 2863 of 2024 Cognizance under Sections 191(2), 191(3), 190, 126(2), 115(2), 103(1) of B.N.S., 2023.)

Charge framed under Sections 191(2), 191(3), 190, 126(2), 115(2), 103(1) of B.N.S., 2023.

Counsel for the Prosecution:- Md. Afaque Alam,.. A.P.P.

Counsel for the Defence:- Sri. Umesh Kumar.. Adv.

Scanned with OKEN Scanner

J U D G M E N T

1. Sole accused Bablu. Lathore of this case has been charged for the offence punishable under Section 191(2), 191(3), 190, 126(2), 115(2), 103(1) of B.N.S.

2. The brief case of the prosecution as per the written application of the informant Shambhu Lathore alleging therein that on 25.08.2024 at about 03:0 PM, the brother of the informant went to village Nadiyawa to attend the 'panchaity' and while the informant's brother was returning by an auto after attending the said 'panchaity' to his home, it is alleged that all the FIR named accused-persons caught hold of his brother and assaulted him by means of dangerous weapon like lathi, bhala and gadasa due to which his brother sustained serious injuries and after that the informant took his brother to Kako, from where he was referred to Jehanabad Sadar Hospital and lastly he was referred to Patna and in course of going to Patna, he succumbed to his injuries. Accordingly, the FIR is lodged.

3. On the basis of the written report of the informant Shambhu Lathore, Kako PS Case No. 235 of 2024 was registered for the offences punishable under Sections 191(2), 191(3), 190, 126(2), 115(2), 103(1) of B.N.S., 2023 against the FIR named accused-persons, pursuant to which, investigation commenced and after completion of investigation, the IO submitted Charge Sheet bearing No. 355 of 2024 dated 20.12.2024, for the offences punishable under Sections 191(2), 191(3), 190, 126(2), 115(2), 103(1) of B.N.S. against the accused-person namely, Bablu Lathore to which cognizance was also taken by the ld. Court below vide order dated 23.12.2024 for the offences punishable under Sections 191(2), 191(3), 190, 126(2), 115(2), 103(1) of B.N.S., 2023 and the case record was committed on dated 24.01.2025 to the Court of Sessions from where the case was ultimately transferred to this Court for trial and disposal.

16.04.2025

जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय जहानाबाद

4. On appearance of the accused, charge has been framed for offences under Sections 191(2), 191(3), 190, 126(2), 115(2), 103(1) of B.N.S., 2023 by the Court of Sessions and the charge has been read over and explained to him in Hindi to which he denied the allegations and claimed to be tried.

5. After closure of prosecution evidence, the statement of the accused was recorded u/S 313 CrPC to which he again denied the allegations and pleaded not guilty.

Scanned with OKEN Scanner

F I N D I N G S

6. In order to prove its case the prosecution has been able to adduce altogether five witnesses PW-1 Dharmendra Kumar, PW-2 Sarun Devi, PW-3 Shambhu Lathore, PW-4 Shishupal Kumar and PW-5 Dr. Krishnamohan Paswan.

Apart from these, the prosecution has also exhibited the following documents:-

I.	Ext. P-1/PW-1	-	Signature of witness Dharmendra Kumar upon the inquest report.
II.	Ext. P-2/PW-1	-	Signature of witness Dharmendra Kumar upon the farbeyan of informant Shambhu Lathaur.
III.	Ext. P-3/PW-4	-	Signature of the informant Shambhu Lathore recorded by ASI Suresh Ram identified by PW-4
IV.	Ext. P-4/PW-4	-	Endorsement upon the fardbeyan made by Incharge SHO Sangita Kumari.
V.	Ext. P-5/PW-4	-	charge-sheet no. 132 of 2025 dt. 13.08.2025.
VI.	Ext. P-6/PW-5	-	the postmortem report is under the pen and signature of PW-5.

7. **PW-1** is Dharmendra Kumar, this witness has supproted the case of the prosecution and stated in his examination-in-chief that "घटना दिनांक 26.08.2024 को समय करीब 03:00 बजे अप्राहन् की है। उस समय मैं अपने घर पर था उसी समय मेरी बहन जो नदियामा में रहती है ने फोन किया और बताया कि पीपी लठौर, पंडीत लठौर, विनोद लठौर, बबलु लठौर, धर्मेन्द्र लठौर पे० वकिल लठौर और धर्मेन्द्र लठौर मारपीट किया और पापा नहीं रहे। हमारी बहन ने बताया कि लाठी गरासा से मारपीट करके पापा का जान मार दिया है।(para 1)" "कुल 11 आदमी मारपीट करने में थे।(para 2)" "मेरे घरेलु विवाद में पंचायती के लिए ग्राम नदियामा गये हुए थे और पंचायती खत्म होने के बाद मेरे पिताजी टोटो से घर लौट रहे थे। नदियामा गाँव में जहानाबाद-काको रोड पर सभी लोग मेरे पिताजी को टोटो से उतारकर जान मार दिये।(para 3)" "सूचना मिलते ही मैं, मेरे भाई विकास लठौर और भाभी कविता देवी सदर अस्पताल जहानाबाद पहुँचे। पुलिस को सूचना मिलने पर मेरे पिता को काको अस्पताल ले गयी थी और वहां से पिता की तबीयत खराब होने पर उन्हें सदर अस्पताल जहानाबाद रेफर कर दिया गया था। मेरे पिता को अस्पताल जहानाबाद से मगध मेडिकल कॉलेज गया रेफर कर दिया गया।(para 4)" "मगध मेडिकल कॉलेज से मेरे पिता को पटना रेफर कर दिया गया परन्तु मैं अपने पिता को लेकर कृष्णा प्राईवेट अस्पताल, गया में भर्ती कराया। वहां से भी मेरे पिता को रेफर कर दिया गया जब मैं अपने पिता को लेकर पी०एम०सी०एच० जा रहा था तो रास्ते में हीं मेरे पिता की मृत्यु हो गयी।(para 5)" "मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट पोर्स्टमार्टम रूम के पास जहानाबाद में मेरे समक्ष तैयार किया गया था जिसपर मैंने अपना हस्ताक्षर बनाया था मैं अपने हस्ताक्षर को देखकर पहचानता हूँ इसे प्रदर्श P-1/PW-1 अंकित किया जाता है।(para 6)" "इस घटना को लेकर मेरे चाचा शंभु लाठौर और मैं

काको थाना गया था जहां पर मेरे चाचा के बयान पर मुकदमा दर्ज हुआ था। मैंने भी आवेदन को पढ़कर उस पर अपना हस्ताक्षर बनाया था मैं अपने हस्ताक्षर को देखकर पहचानता हूँ इसे प्रदर्श P-2/PW-1 अंकित किया जाता है।(para 7)" "पुलिस में मेरा बयान हुआ था।(para 8)" "मैं सभी मुदालय को पहचानता हूँ। आज न्यायालय में बबलु लाठौर उपस्थित है जिसे पहचानता हूँ। अन्य को भी देखकर पहचान लूँगा।(para 9)".

During the course of cross-examination, this witness has stated that "शंभु लठौर मेरे चाचा हुए, उन्होंने ही यह केस किया है। मेरे पिता पंचयती के लिए घर से अकेले नदियामा गाँव में गये थे। मेरे गाँव से नदियामा करीब 60 किमी. है।(para 1)" "हमलोगों को पता चला कि मेरे पिता शाम को पंचयती से अकेले लौट रहे थे और नदियामा बाजार में उनके साथ कुछ लोगों ने मारपीट किया।(para 2)" "जब मैं बहन से पूछा तो वह कहीं कि, जिस समय पिता के साथ साथ मारपीट किया गया उस समय मैं अपने परिवार के साथ घर में थी और दूसरे के द्वारा मारपीट की बात बताई गयी।(para 4)".

7. **PW-2** is Sarun Devi.This witness too has supported the case of the prosecution and has stated in her examination-in-chief that "घटना करीब 10 माह पूर्व की है। दिन का करीब 3 बज रहा था। मैं उस समय अपने बेटे और मिथिलेश राठौर मुखिया राठौर और सोनेलाल राठौर साथ में थी।(para 1)" "हमलोग नदियामा ग्राम पंचयती करने के लिए गये थे। पंचयती समाप्त होने के बाद हमलोग टेम्पु में बैठकर घर जा रहे थे। नदियामा बाज़ार में हमलोग पहुंचे, तब वहाँ पर पी.पी. राठौर, जोगी राठौर, पारस राठौर, मनोज राठौर, बबलू राठौर, धर्मेन्द्र राठौर, बकरी राठौर, अशोक राठौर, धर्मेन्द्र राठौर, पंडित राठौर और विनोद राठौर ये सभी मिल कर के मुखिया राठौर को भाला गरासा और लाठी से मारने लगे।(para 2)" "हमलोग उसे बचाने गये तो वे लोग हमलोग को भी मारने लगे। मुखिया राठौर काफी जख्मी हो गया, बोलचाल बंद कर दिया तब उसे ईलाज के लिए काको सरकारी अस्पताल ले गये, वहाँ से उन्हें जहानाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया और उसके बाद वहाँ से भी मगध मेडिकल कॉलेज उर्फ हॉस्पिटल गया भेज दिया और उसके बाद वहाँ से भी पटना रेफर कर दिया और पटना ले जाने के रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गयी, फिर हमलोग उसे जहानाबाद वापस ले आए, जहाँ उसका पोस्टमार्टम हुआ।(para 3)" "मारपीट करने वाले सारे आदमी जिनका नाम मैं बताई उसमें से मैं सभी को पहचानती हूँ।(para 4)" "आज न्यायालय में बबलु लाठौर उपस्थित है जिसे मैं पहचानती हूँ। अन्य को भी देखकर पहचान लूँगी।(para 5)" "दारोगा जी के समक्ष भी जो मैंने बयान दिया था, उसमें भी ये बाते बताई थी।(para 6)"

During the course of her cross-examination, this witness has stated that "शम्भू राठौर मेरा देवर है। शम्भु राठौर बब्लू राठौर का साढ़ू है। दोनो साढ़ू में कभी लड़ाई नहीं चलता था, दोनों में दोस्ती है।(para 7)" "मैं नट जाति की हूँ। हमारे परंपरा के अनुसार हमलोग बेटी खरीदते है। जिसके कारण हमलोग 50 हजार रूपया पी.पी. राठौर को दिये थे, परंतु पैसा लेने के बाद उन्होंने शादी नहीं किया, उसी बात का झगड़ा था, जिसकी पंचायती हुई थी।(para 10)" "पंचायती के समय मैं वहाँ पर उपस्थित थी। पंचायती करीब 1 घंटा चला। पंचायती समाप्त होने के बाद हमलोग टेम्पू से लौट कर घर आ रहे थे, तो बीच बाजार में पहुँचने पर अभियुक्त लोग हमलोगों से मारपीट करने लगे।(para 13)" "जहाँ मारपीट हो रहा था, वहाँ पर गाड़ी भी चल रहा था और अगल-बगल दुकान भी था। टेम्पू का मालिक कौन था, यह मैं नहीं बता सकती।(para 15)".

16.04.25

अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय जहानाबाद

Scanned with OKEN Scanner

8. **PW-3** is Shambhu Lathore, who is the informant of this case. This witness has supported the case of the prosecution and stated in his examination-in- chief that "इस केस का सूचक मैं हूँ। पुलिस के समक्ष मेरा बयान हुआ था। मैंने यह केस पी.पी. लठौर, पंडित लठौर, विनोद लठौर, बकरी लठौर, धर्मेन्द्र लठौर, मनोज लठौर, अशोक लठौर, जोगी लठौर, पारस लठौर, बबलू लठौर और धर्मेन्द्र लठौर पर किया है। घटना 14 - 15 माह पूर्व की है समय 3 बजे दिन का था, मैं उस समय अपने घर पर था। मुखिया लठौर, जो मेरा भाई है, वह नदियामा पंचयती करने गये थे और पंचयती करके ऑटो से लौट रहे थे, तो नदियामा बाजार में उसके साथ मारपीट होने लगा और उस मारपीट के दौरान उसकी मृत्यु हो गयी।(para 1)" "आस-पास के लोगों ने बोला कि उर्पयुक्त मुदालय लोगों ने उसे मिलकर मारा है, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। मैं दारोगा जी के समक्ष भी यह बात बताया हूँ।(para 2)" "आज न्यायालय में अभियुक्त पी.पी.लठौर, धर्मेन्द्र लठौर, पारस लठौर मौजूद है. बाकी सारे अभियुक्त को देखकर पहचान लूँगा।(para 3)"

During the course of his cross-examination this witness has been more or less intact and has stated that "मैं बेलाडीह, थाना बेलागंज जिला गया का रहने वाला हूँ, मेरे भाई मुखिया लठौर भी बेलाडीह में रहते थे। मेरा भाई नदियामा, जहाँ पंचयती में गया था. वह काको थाना, जिला जहानाबाद में है। मेरे गाँव से नदियामा 50-60 किमी. की दूरी पर है।(para 4)" Further, this witness has stated vide para 5 that "जमीन का विवाद था, इसलिए पंचयती के लिए मेरे भाई अकेले गया थे। मैं घर पर ही था, तब ही मालूम हुआ कि मेरे भाई के साथ नदियामा बाजार में आते समय मारपीट हुआ। भाई वहाँ से अकेले लौट रहा था, उसी समय मेरे भाई के साथ घटना हुआ।(para 6)" Further, vide para 7, this witness has given some condictory statements and has stated that "मैंने अपनी आँखों से घटना नहीं देखा था, लेकिन कुछ दूसरे लोगो ने मुदालय का नाम बता दिया था, उसी के आधार पर मैंने मुदालय का नाम दे दिया।(para 7)" Further, this wintess has stated vide para 8 that "यह कि अब हम सभी को मालूम हो गया कि वास्तव में प्राथमिकि में नामित व्यक्ति मेरे भाई को नहीं मारे है तो हमलोग न्यायालय के बाहर में राजी-खुशी से सभी मुदालय से सुलह कर लिये है, चूंकि सभी मुदालय निर्दोष है।(para 8)" "बनाये गये मुदालय, हमलोगों के रिश्तेदार लगते हैं, इसलिए उनलोगों को पहचानते है।(para 9).

16.04.2025

9. **PW-4** is Sishupal Kumar who is the IO of this witness. This witness has supported the case of the prosecution and has stated in his examination-in-chief that on dt. 26.08.2024, the statement (fardbeyan) of the informant Shambhu Lathaur was recorded by ASI Suresh Ram in his own handwriting and signature, which is identified and marked as Exhibit P-3/PW-4. The endorsement on it was made by the then Station House Officer Sangeeta Kumari, also identified and marked as Exhibit P-4/PW-4. Further, this witness has stated that the investigation of the case was assigned to the officer on the same date. After taking charge, he examined the fardbeyan and recorded it in the case diary. An inquest report was also recorded. The next day, he visited and inspected the place of occurrence, located at Nadiyama Market, with boundaries:

North: Generator shop of Lalu Paswan

Scanned with OKEN Scanner

South: Vacant land of Somnath Paswan

East: NH-110 road towards Bihar Sharif

West: NH-110 road towards Jehanabad

Further, this witness has stated that the statements of the informant and witnesses Dharmendra Kumar were recorded, and the postmortem report of the deceased Mukhiya Lathaur was obtained and noted in the case diary. The named accused, Bablu Lathaur, was arrested and produced before the court, and sent to judicial custody. Further, this witness has stated that the viscera of the deceased Mukhiya Lathaur was sent to the Forensic Science Laboratory, Patna for examination. The criminal history of accused Yogi Lathaur, Paras Lathaur, and Dharmendra Lathaur was investigated, but no prior criminal record was found. Thereafter receiving the viscera report and completing supplementary investigation, a charge sheet bearing charge-sheet no. 132/2025 dated 13.08.2025 was submitted against the named accused: Yogi Lathaur, Dharmendra Lathaur (sons of Late Shaguni Lathaur) and Paras Lathaur of village Nadiyawan, PS Kako, Dist. Jehanabad and accused P.P. Lathaur of village Mirabigha, PS Chakand, Dist. Gaya. under Sections 191(2), 191(3), 190, 126(2), 115(2), 103(1) BNS, 2023 and supplementary investigation is pending against the other accused-persons. The charge-sheet no. 132/2025 dt. 13.08.2025 was under his pen and signature which has been exhibited and marked as Ext. P-5/PW-4.

During the course of cross-examination, this witness has been more or less intact. However, this witness has stated vide para 10 and 11 that "पूरे अनुसंधान के दौरान किसी ने यह नहीं कहा कि मृतक के अलावा और किसी अन्य व्यक्ति को चोट लगी थी और न ही किसी गवाह के शरीर पर मैंने न कोई चोट पाया और न ही ईलाज के लिए भेजा।(para 10)" "मैंने पूरे अनुसंधान में जिस टैम्पू से घटना के समय मृतक मुखिया लाठौर आ रहा था उसके संबंध में सचाई जानने के लिए उस टैम्पू का पता करने का कोई प्रयास नहीं किया।(para 11)" Further, this witness has stated vide para 14 and 15 that "मैंने पंचयती के लिए मृतक लाठौर को नदियामा जाने की बात कहीं जाती है, लेकिन सचाई जानने के लिए नदियामा ग्राम में जहाँ पंचयती हुई वहाँ मैंने पता नहीं लगाया और तथकथित पंचयती में कौन-कौन सम्मिलित है, उसका भी पता लगाकर न ही केस दैनिकि में लिखा और न ही सचाई जानने के लिए तथकथित पंचयती के सदस्यों का बयान नहीं लिया।(para 14)" "मैंने इस बिन्दु पर जॉच नहीं किया कि वास्तव में मुखिया लाठौर उस दिन पंचयती में आया था या दूसरे काम से इस संबंध में भी पता लगा कर दैनिकि में अंकित नहीं किया।(para 15)". Further, vide para 16, this witness has stated that "मैंने सचाई जानने के लिए पूरे अनुसंधान के दौरान किसी भी मुदालय का मोबाईल नं० लेकर उसका टावर लोकेशन नहीं निकाला, जिससे कि यह बात स्पष्ट हो कि वास्तव में तथकथित घटनास्थल पर घटना के समय मौजूद थे कि नहीं या अपने निजी ग्राम में थे।".

16.04.

10. **PW-5** is Dr. Krishnamohan Paswan, who is the medical officer, who has conducted the postmortem on the dead body of the deceased Mukhiya Lathaur. This witness has stated

Scanned with OKEN Scanner

that on dt. 27.08.2024, he was posted as medical officer at Sadar Hospital, Jehanabad and on that day, at about 07:45 AM, he had done the postmortem on the dead of the deceased Mukhiya Lathaur, age about 45 years, S/o Sajan Lathaur, R/o Vill. Beladih, PS Belaganj Dist. Gaya which has been brought by and identified by Chaukidar Surendra Kumar and found the following findings:-

On External examination:-

Rigor mortis present whole body.

Abrasion right shoulder and size about 1"X1".

Lacerated wound right side of scrotum and size about 1"X1/2"X Skin deep swelling right side scrotum and size about 1.5"X1.5" abrasion left upper thigh and size about 1/2"X1/2"

Swelling left upper thigh and size about 1.5"X1.5" and brownish in colour.

Stitched wound middle of head and size about 1" long.

Patient on Foley's catheter.

Internal finding:-

Head after opening the skull there fracture of the skull bone middle region and large blood clott present over the meninges.

Heart- All four chamber partially fulled with blood.

Lung- Lung congested liver spleen and kidney are pale.

Time since death within 24 hours.

Viscera of heart, lung, spleen, kidney and stomach with its contained send for

F.S.L examination:-

Cause of death cardio respiratory failure due to hemorrhagic shock due to trauma but final opinion reserved till the F.S.L report.

Further, this witness has stated that the postmortem is written and signed by him which is identified by him and also exhibited and marked as P-4/PW5.

During the course of cross-examination, this witness has been more or less intact however, he has stated vide para 5, 6, 7 and 8 that "I have not mentioned in the postmortem report by which weapon the aforesaid injuries where caused on the deceased (para 5)" "As I have mentioned the time of death as within 24 hour it may be of within 20 hours(para 6)" "I have mentioned that final opinion regarding death viscera was reserved and the final opinion can be given from the f.S.L. report for F.S.L. (para 7)" "The doctor who has earlier treated the deaceased that injury is not available(para 8)".

16.04.2025

जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय जहानाबाद

11. In view of the discussions made above this court has come to the findings and hold that prosecution has failed to substantiate the charges levelled against the accused Bablu Lathore

Scanned with OKEN Scanner

beyond reasonable doubts. Hence, accused persons namely, Bablu Lathore is hereby found not guilty for the the offenses punishable under Sections 191(2), 191(3), 190, 126(2), 115(2), 103(1) of B.N.S., 2023. In the result, accused-person namely, Bablu Lathore is hereby **acquitted** forthwith from the charges levelled against him and set at liberty thereof. He is also discharged from the liabilities of his bail bonds.

(Dictated and corrected by me)

(Sanjay Kumar Sinha II)
Addl. Sessions Judge-II
Jehanabad
16.04.2026

(Sanjay Kumar Sinha II)
Addl. Sessions Judge-II
Jehanabad
16.04.2026

Scanned with OKEN Scanner